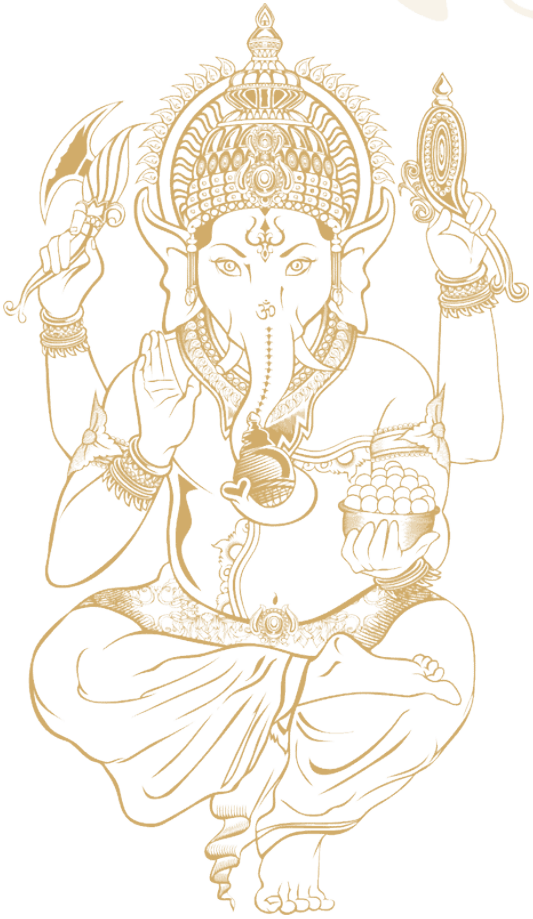

Porvi Sharma

19 Feb 1996

09:44 AM

Jalandhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120935902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/02/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:44:00 घंटे**
इष्ट	06:33:47 घटी
स्थान	**Jalandhar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	75:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:16:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	19:09:54 घंटे
सूर्योदय	07:06:29 घंटे
सूर्यास्त	18:17:14 घंटे
दिनमान	11:10:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:59:38 कुम्भ
लग्न के अंश	01:34:13 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	01:34:13	504:12:58	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	05:59:38	01:00:33	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	08:42:31	14:45:10	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	09:06:29	00:47:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			मक	11:04:48	01:15:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	16:01:45	00:11:05	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			मीन	18:01:35	01:09:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	00:18:24	00:07:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	24:18:15	00:06:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	24:18:15	00:06:38	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:22:30	00:03:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:40:44	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:14:18	00:00:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	22:18:17	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:18

लग्न-चलित

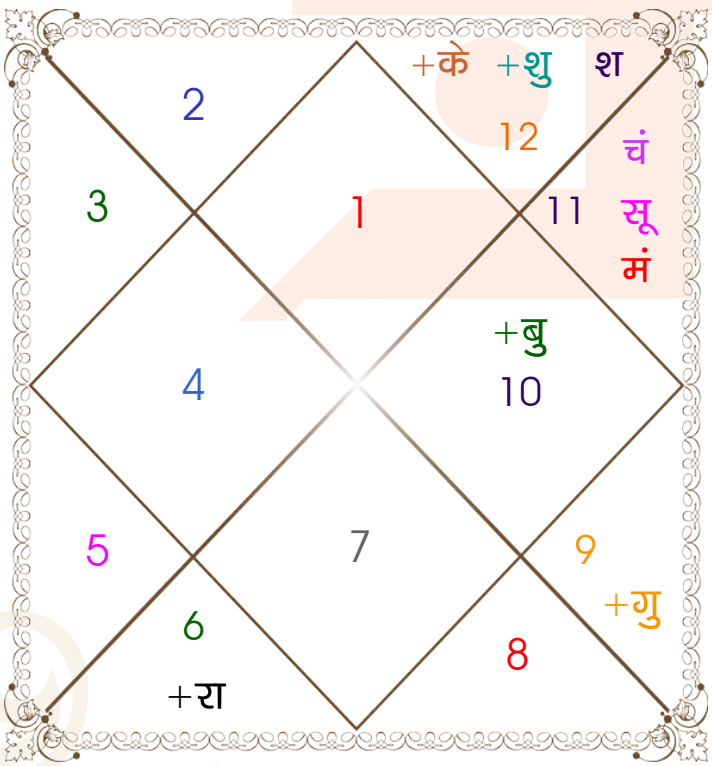

चन्द्र कुंडली

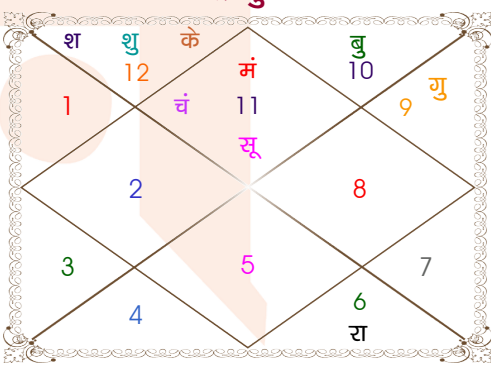

नवमांश कुंडली

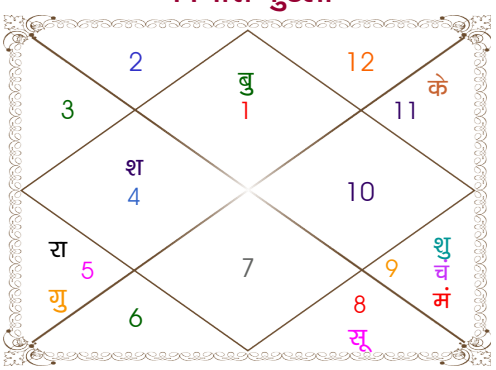

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 2 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/02/1996		19/05/2011		19/05/2027		18/05/2046		19/05/2063	
19/05/2011		19/05/2027		18/05/2046		19/05/2063		18/05/2070	
	19/02/1996	गुरु	06/07/2013	शनि	21/05/2030	बुध	14/10/2048	केतु	15/10/2063
गुरु	24/06/1998	शनि	17/01/2016	बुध	28/01/2033	केतु	11/10/2049	शुक्र	14/12/2064
शनि	30/04/2001	बुध	24/04/2018	केतु	09/03/2034	शुक्र	11/08/2052	सूर्य	21/04/2065
बुध	17/11/2003	केतु	31/03/2019	शुक्र	09/05/2037	सूर्य	17/06/2053	चंद्र	20/11/2065
केतु	05/12/2004	शुक्र	29/11/2021	सूर्य	21/04/2038	चंद्र	17/11/2054	मंगल	18/04/2066
शुक्र	05/12/2007	सूर्य	17/09/2022	चंद्र	20/11/2039	मंगल	14/11/2055	राहु	06/05/2067
सूर्य	29/10/2008	चंद्र	17/01/2024	मंगल	29/12/2040	राहु	02/06/2058	गुरु	11/04/2068
चंद्र	30/04/2010	मंगल	23/12/2024	राहु	05/11/2043	गुरु	07/09/2060	शनि	21/05/2069
मंगल	19/05/2011	राहु	19/05/2027	गुरु	18/05/2046	शनि	19/05/2063	बुध	18/05/2070

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/05/2070		18/05/2090		18/05/2096		19/05/2106		19/05/2113	
18/05/2090		18/05/2096		19/05/2106		19/05/2113		00/00/0000	
शुक्र	17/09/2073	सूर्य	05/09/2090	चंद्र	18/03/2097	मंगल	15/10/2106	राहु	30/01/2116
सूर्य	17/09/2074	चंद्र	06/03/2091	मंगल	17/10/2097	राहु	03/11/2107	गुरु	20/02/2116
चंद्र	18/05/2076	मंगल	12/07/2091	राहु	18/04/2099	गुरु	09/10/2108		00/00/0000
मंगल	18/07/2077	राहु	05/06/2092	गुरु	18/08/2100	शनि	18/11/2109		00/00/0000
राहु	18/07/2080	गुरु	24/03/2093	शनि	19/03/2102	बुध	15/11/2110		00/00/0000
गुरु	19/03/2083	शनि	06/03/2094	बुध	19/08/2103	केतु	13/04/2111		00/00/0000
शनि	18/05/2086	बुध	11/01/2095	केतु	19/03/2104	शुक्र	12/06/2112		00/00/0000
बुध	18/03/2089	केतु	19/05/2095	शुक्र	18/11/2105	सूर्य	18/10/2112		00/00/0000
केतु	18/05/2090	शुक्र	18/05/2096	सूर्य	19/05/2106	चंद्र	19/05/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाली, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाली, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाली अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाली, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाली, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाली तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाली स्त्री हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाली शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाली हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाली हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहती हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाती हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि की प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहती हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेती हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझती हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझती हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेती हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करती हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करती हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करती हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करती हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करती तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहती हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहती हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करती हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करती हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहती। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाली कामुक स्त्री हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहती हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगी।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना की शिकार होंगी। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहीं तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगी। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुकी हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखती हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करती हैं।

आपके लिए विधि कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकती हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।